I Next, Meerut, 27/09/2025
Page No: 4, Size: 29.63cm × 27.41cm

चारों तरफ कूड़ा फैला होने से लोहिया नगर में कचरा पलटने के लिए खाली जगह नहीं बची

लोहिया नगर में डंपिंग ग्राउंड फुल, अब गांवड़ी में डंप होगा शहर का कूड़ा

सुबह लोहिया नगर कूड़ा लेकर पहुंची कूड़ा गाड़ियों को गांवड़ी स्थित प्लांट में भेजा गया

PIC : JNN

MEERUT (26 Sept, JNN): दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के इंटरचेंज का काम शुरू होने से जहां लोहिया नगर डंपिंग ग्राउंड के अंदर कूड़ा गाड़ी पहुंचने का रास्ता बंद हो गया है. वहीं लोहिया नगर में कूड़ा पलटने के लिए खाली जगह भी नहीं बची है. जागृति विहार एक्सटेंशन की डिवाइडर रोड भी कूड़े से अट गई है. ऐसी स्थिति बनने पर शुक्रवार सुबह डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी, डंफर और ट्रैक्टर ट्राली से कूड़ा गांवड़ी स्थित प्लांट में भेजना शुरू कर दिया गया. अब नगर निगम गांवड़ी में शहर का कूड़ा डंप करेगा.

आठ डंफरों से कूड़ा उठाया

शुक्रवार सुबह दिल्ली रोड वाहन डिपो, सूरजकुंड वाहन डिपो और कंकरखेड़ा वाहन डिपो से बड़ी संख्या में डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी वार्डों से कूड़ा कलेक्शन कर पहले लोहिया नगर डंपिंग ग्राउंड पहुंची. खत्तों से कूड़ा भरकर ट्रैक्टर ट्राली और डंफर भी पहुंचे. लेकिन लोहिया नगर के डंपिंग ग्राउंड के अंदर आने-जाने का रास्ता न बन पाने और कूड़ा पलटने के लिए खाली जगह न मिलने पर इन वाहनों को गांवड़ी भेजा गया. हापुड़ रोड के आसपास के आठ से 10 वार्डों को छोड़ दें तो अधिकांश वार्डों को कूड़ा गांवड़ी पहुंचाया गया. जिससे दोपहर दो बजे तक गांवड़ी प्लांट परिसर में भी कूड़े का ढेर लग गया. बीवीजी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सलिल ने कहा कि गंगानगर क्षेत्र का कूड़ा पहले ही गांवड़ी पहुंचाया जा रहा था. अब लोहिया नगर जाने वाली कूड़ा गाड़ियों को गांवड़ी भेजना शुरू कर दिया है. शहर में प्रतिदिन 1100 टन कूड़ा उत्सर्जित होता है. करीब 250 डोर टू डोर कूड़ा गाड़ी, 30 ट्रैक्टर ट्राली और आठ डंफरों से कूड़ा उठाया जाता है.

खत्म हुआ था कूड़े का पहाड़

सही मायने में नगर निगम का मुख्य डंपिंग ग्राउंड गांवड़ी में ही है. यहां चार साल पहले बैलेस्टिक सेपरेटर प्लांट लगाकर कूड़े का पहाड़ खत्म किया गया था. यह प्लांट अब भी मौजूद है. बीते मार्च में इसे चालू किया गया था. बरसात में पानी भर जाने से बंद हो गया था. गुरुवार को नगर आयुक्त सौरभ गंगवार ने निर्माण अनुभाग के इंजीनियरों के साथ निरीक्षण किया था. जिसके बाद निर्माण की टीम प्लांट के फ्लोर के निर्माण में जुट गई है. मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह का कहना है कि तीन दिन में फ्लोर बन जाएगा. जिसके बाद बैलेस्टिक सेपरेटर प्लांट को चालू कर कूड़े की छंटाई शुरू कर दी जाएगी. हालांकि इसकी क्षमता प्रतिदिन 300 टन कूड़ा छंटाई की है. जो नाकाफी है.

एनटीपीसी का प्लांट लगा नहीं

गांवड़ी में साल भर पहले एनटीपीसी का चारकोल प्लांट लगाने का अनुबंध नगर निगम ने किया था. प्लांट लगाने की दिशा में कोई काम नहीं हुआ. एनटीपीसी को एक महीने के भीतर प्लांट का काम शुरू करने का अंतिम मौका दिया गया है. वहीं निगम ने दूसरा विकल्प भी देखना शुरू कर दिया है. शुक्रवार को गेल गैस के अधिकारियों को बुलाकर नगर आयुक्त सौरभ गंगवार ने कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाने का आफर दिया है. निगम जरूरी जगह मुहैया करा देगा. कूड़ा प्लांट तक पहुंचा देगा. गेल गैस अपने संसाधनों से प्लांट का संचालन करे. कचरे की प्री प्रोसेसिंग भी करे. गेल गैस के अधिकारियों ने उच्च अधिकारियों से बात करके निर्णय लेने की बात कही है.

बरसात के चलते गांवड़ी में लगा बैलेस्टिक सेपरेटर प्लांट का संचालन बंद था. उसे चालू करने जा रहे हैं. लोहिया नगर की स्थिति को देखते हुए शहर का कूड़ा गांवड़ी में पहुंचाने का कार्य शुरू हो गया. वहीं, लोहिया नगर में लीगेसी वेस्ट प्लांट लगाने का टेंडर करने पर जल्द निर्णय लिया जाएगा.
सौरभ गंगवार, नगर आयुक्त.

लोहिया नगर में प्लांट लगाने की प्रक्रिया अटकी

लोहिया नगर में लीगेसी वेस्ट निस्तारण प्लांट लगाने के विभागीय प्रस्ताव पर मुख्य नगर लेखा परीक्षक के हस्ताक्षर न होने के कारण महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने ई निविदा निरस्त कर दी है. नए सिरे से अभी ई निविदा भी नहीं निकाली गई है. जिससे यहां प्लांट लगाने की प्रक्रिया अटक गई है. ठेकेदार का चयन न होने से पूर्व से लगा 600 टन प्रतिदिन कूड़े की छंटाई क्षमता का प्लांट का संचालन भी ठीक से नहीं हो रहा है.